राजधानी एक्सप्रेस में आग लगी, स्टाफ ने खुद झुलसकर 75 यात्रियों को बचाया

एमपी के रतलाम में कोटा रेल मंडल के विक्रमगढ़ आलोट-लूणी रीछा स्टेशनों के बीच हादसा हुआ

ट्रेन का थर्ड एसी और एसएलआर कोच जलकर पूरी तरह खाक हो गए।

- त्रिवेंद्रम-निजामुद्दीन राजधानी एक्सप्रेस में आग लगने के बाद ऑटोमेटिक फॉयर डिटेक्शन एंड अलार्म सिस्टम और स्टॉफ की बहादुरी से यात्रियों को सुरक्षित बचाया

कोटा, (निसं)। मध्यप्रदेश के रतलाम जिले में कोटा रेल मंडल के विक्रमगढ़ आलोट और लूणी रीछा स्टेशनों के बीच रविवार सुबह यहां से गुजर रही ट्रेन नंबर 12431 त्रिवेंद्रम-हजरत निजामुद्दीन राजधानी एक्सप्रेस में अचानक भीषण आग लग गई। यह दर्दनाक घटना सुबह करीब 5.15 बजे बीच हुई। ट्रेन का थर्ड एसी और एसएलआर कोच जलकर पूरी तरह खाक हो गए। आसमान में उठती आग की लपटों को देखकर इलाके में हड़कंप मच गया।

कोटा रेल मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ जैन ने पूरे मामले की जानकारी देते हुए बताया कि ट्रेन में लगा ऑटोमेटिक फॉयर डिटेक्शन एंड अलार्म सिस्टम कामयाब रहा, जिसकी वजह से आग लगने की सूचना मिलते ही ट्रेन अपने आप खड़ी हो गई और बड़ा हादसा टल गया। ट्रेन मैनेजर उपेंद्र कुमार (वडोदरा मुख्यालय) ने तुरंत कंट्रोल रूम को सूचना दी कि एक कोच में ऑटोमेटिक फॉयर डिटेक्शन एंड अलार्म सिस्टम अलार्म बज रहा है। ट्रेन रुकते ही उन्होंने धुआं देखा और बिना समय गंवाए यात्रियों को बाहर निकालने की प्रक्रिया शुरू कर दी। उपेंद्र कुमार ने बताया कि उनका वॉकी-टॉकी, पेन, कपड़े और अन्य सामान तक जल गया, लेकिन उन्होंने हिम्मत नहीं हारी।

उन्होंने कहा कि ऑटोमेटिक फायर डिटेक्शन एंड अलार्म सिस्टम स्मोक अलार्म की तरह काम करता है और ट्रेन को तुरंत रोक देता है अगर यह सिस्टम न होता तो स्थिति बहुत गंभीर हो सकती थी। ट्रेन स्टॉफ ने कुल 70 से 75 यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला, जिनमें कई महिलाएं और बच्चे भी शामिल थे। आग प्रभावित कोच को बाकी ट्रेन से अलग कर दिया गया और गैप बनाकर आग को आगे फैलने से रोका गया। इस दौरान स्टॉफ सदस्य विमलेश और रविंद्र कुमार खुद बुरी तरह झुलस गए। उनके शरीर पर कई जगह फफोले पड़ गए हैं।

सीनियर डीसीएम जैन ने बताया कि कंट्रोल के जरिए फॉयर की सूचना दी गई। इसमें फायर फाइटिंग टीम और लोकल अथॉरिटी शामिल है। सभी को मोबिलाईज किया गया। उसके बाद सभी ने कॉ-ऑर्डिनेशन बनाते हुए कार्रवाई की और आग पर काबू पाया है। आग बुझाने के लिए तीन जगह से दमकल की गाड़ियां मंगाई गई। रतलाम, चौमहला और विक्रमगढ़ आलोट से दमकल पहुंची थी। कोटा से भी डीजल इंजन भेजा गया और ट्रेन में डीजल इंजन अटैच किया गया। घटनास्थल पर लगभग पहुंचना काफी मुश्किल था, लेकिन टेक्नोलॉजी की मदद से ली है लोकेशन मंगाकर सभी वहां पहुंचे। सीनियर डीसीएम सौरभ जैन ने बताया कि मौके पर रतलाम डीआरएम और अन्य अधिकारी पहुंच गए थे। कोटा से भी एडीआरएम और अन्य अधिकारी पहुंचे थे।

कोटा डीआरएम अनिल कालरा और शेष वरिष्ठ अधिकारी कंट्रोल रूम पहुंच गए थे। रतलाम से भी मदद दी गई और स्पेशल ट्रेन आई थी। ट्रेन को सुबह 9.48 पर कोटा के लिए रवाना किया गया था। इसके बाद ट्रेन को रोका गया है और डीजल इंजन को पीछे लगाया गया।

सीनियर डीसीएम का कहना है कि यात्रियों को पूरी मदद दी गई है। ट्रेन के बी-4 कोच में सवार एक यात्री को मेडिकल इमरजेंसी होने पर चिकित्सकीय मदद भी उपलब्ध कराई गई। कोटा स्टेशन पर पहले से एक पूरा कोच तैयार रखा गया था जिसे जोड़कर सभी यात्रियों को दिल्ली के लिए रवाना कर दिया गया। ट्रेन के कोटा पहुंचने पर यात्रियों ने हंगामा कर दिया। उन्होंने कहा कि उनका सारा सामान जल गया है। जिसका मुआवजा उन्हें दिया जाए।

भीलवाड़ा में निवेश के नाम पर ठगी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश

- गुरुग्राम से पूर्व बैंककर्मी गिरफ्तार, आरोपी के बैंक खातों को फ्रीज करवाया
- पीड़ित को आरोपियों ने आईपीओ और शेयर ट्रेडिंग में भारी मुनाफे का झांसा दिया

भीलवाड़ा, (निसं)। जिला सायबर थाना पुलिस ने शेयर बाजार और आईपीओ में निवेश के नाम पर लाखों रुपये की धोखाधड़ी करने वाले एक अंतरराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मामले में एक आरोपी आदित्य कुमार को गुरुग्राम, हरियाणा से गिरफ्तार किया है। इसके साथ ही पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए आरोपी के बैंक खातों को फ्रीज करवा दिया है, जिनमें करीब साढ़े 28 लाख रुपये की राशि जाम की गई है।

मामले के अनुसार, 13 अप्रैल को भीलवाड़ा निवासी एक पीड़ित ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पीड़ित को आरोपियों ने खुद को सेबी रजिस्टर्ड बताकर कोटक सिक्योरिटीज प्राइवेट मार्केट ट्रेडिंग से जुड़े व्हाट्सएप ग्रुप्स में जोड़ा। इसके बाद आईपीओ और शेयर ट्रेडिंग में भारी मुनाफे का झांसा देकर विश्वास में लिया गया। आरोपियों ने फर्जी मोबाइल ऐप के जरिए पीड़ित पर मानसिक दबाव बनाया और 25 फरवरी से 30 मार्च के बीच पीड़ित व उसके परिवार के बैंक खातों से कुल 26,98,000 रुपये अलग-अलग खातों में ट्रांसफर करवा लिए। बाद में पीड़ित की सहमति के बिना ही एक कंपनी के शेयर आवंटित दिखाकर और रुपयों की मांग की जाने लगी। ठगी का अहसास होने पर पीड़ित ने सायबर थाने में मामला दर्ज कराया।

मामले की गंभीरता को देखते हुए जिला पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह के आदेशानुसार एक विशेष टीम का गठन किया गया। यह टीम अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (त्वरित अनुसंधान एवं निस्तारण दल) हेमंत नोगिया के निर्देशन और साइबर थानाधिकारी आयुष श्रोत्रिय के निकटतम सुपरविजन में सायबर थाना पुलिस निरीक्षक रामशरण के नेतृत्व में बनाई गई। पुलिस टीम ने तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर जांच करते हुए संदिग्धों की पहचान की और गुरुग्राम में दबिश देकर आरोपी आदित्य कुमार (21) को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस जांच में सामने आया कि गिरफ्तार आरोपी पूर्व में बैंक कर्मचारी रह चुका है, जिसके कारण वह बैंकिंग सिस्टम की कमियों से अच्छी तरह वाकिफ था। इस हाईटेक ठगी का खुलासा करने वाली टीम में रामशरण पुलिस निरीक्षक, सायबर थाना भीलवाड़ा अनुसंधान अधिकारी, बाबूलाल कांस्टेबल, प्रभुराम कांस्टेबल शामिल रहे। पुलिस अब आरोपी से कड़ाई से पूछताछ कर रही है, ताकि गिरोह के अन्य सदस्यों और देशव्यापी नेटवर्क का खुलासा किया जा सके।

14 साल से फरार इनामी डकैत शंकरनाथ बूंदी से गिरफ्तार

- आरोपी अपनी पहचान छुपाकर और लगातार ठिकाने बदलकर पुलिस को चकमा दे रहा था

भीलवाड़ा, (निसं)। जिला पुलिस ने वांछित अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे धरपकड़ अभियान के तहत एक बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस थाना बिजौलियां ने डकैती के मामले में पिछले 14 वर्षों से फरार चल रहे पांच हजार के इनामी वारंटी शंकरनाथ को गिरफ्तार किया है। आरोपी अपनी पहचान छुपाकर और लगातार ठिकाने बदलकर पुलिस को चकमा दे रहा था।

जिला पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह के आदेशानुसार जिले में आपराधिक गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण व फरार अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) पारस जैन के निर्देशन एवं वृत्ताधिकारी माण्डलगढ़ बाबूलाल विश्नोई के निकटतम सुपरविजन में एक विशेष टीम का गठन किया गया था। इस टीम का नेतृत्व बिजौलियां थानाधिकारी स्वागत पाण्ड्यां कर रहे थे। पुलिस के अनुसार, आरोपी शंकरलाल उर्फ शंकरिया पुत्र मोहननाथ कालबेलिया निवासी बेबडिया, थाना डाबी, जिला बूंदी हाल किशनखेड़ी, थाना खानपुर, जिला झालावाड़ डकैती के एक मामले में करीब 14 साल से फरार चल रहा था। उसकी गिरफ्तारी पर जिला पुलिस अधीक्षक द्वारा इनाम घोषित था। आरोपी झालावाड़ में अपना निवास स्थान बदलकर रह रहा था। इस दौरान बिजौलियां थाना पुलिस को पुख्ता सूचना मिली कि इनामी बदमाश शंकरनाथ बूंदी जिले के तालेड़ा में अपने एक रिश्तेदार के पारिवारिक कार्यक्रम में आया हुआ है। सूचना की तस्दीक होते ही पुलिस टीम ने तुरंत तालेड़ा में दबिश दी और घेराबंदी कर आरोपी को दबोच लिया। पुलिस आरोपी से पुराने मामलों और फरारी के दौरान की गतिविधियों के संबंध में पूछताछ कर रही है।

टोंक में खेत में करंट दौड़ने से पिता-पुत्र की मौत

करीब एक घंटे बाद जब मृतक की पत्नी खेत पर पहुंची तो घटना का पता लगा

नगरफोर्ट थाना क्षेत्र में खेत पर चारा काटते समय करंट लगने से पिता-पुत्र की मौत हो गई।

टोंक, (निसं)। नगरफोर्ट थाना क्षेत्र में खेत पर चारा काटते समय करंट लगने से पिता-पुत्र की मौत हो गई। करीब एक घंटे बाद जब मृतक की पत्नी खेत पर पहुंची तो घटना का पता लगा, जिसके बाद उसकी चिल्लाने की आवाज सुनकर ग्रामीण दौड़कर मौके पर पहुंचे तथा बिजली सप्लाई को तुरंत बंद करवाकर दोनों को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। जिसके बाद एक ही चिता पर दोनों का अंतिम संस्कार किया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार नगरफोर्ट निवासी बद्रीलाल गुर्जर और उनका छोटा बेटा रमेश गुर्जर दोनों रविवार सुबह पशुओं के लिए चारा लेने खेत (मानक जी का कुआं) पर गए थे। इसी दौरान ट्रांसफॉर्मर के पास चारा काटते समय मिट्टी में करंट फैल गया, जिसकी चपेट में आने से दोनों गंभीर रूप से झुलस गए और मौके पर ही उनकी मौत हो गई।

करीब एक घंटे बाद मृतक की पत्नी खेत पर चारा लेने पहुंची तो उसने पति और बेटे को जमीन पर बेसुध पड़ा देखा। चिल्लाने की आवाज सुनकर आसपास के खेतों में काम कर रहे ग्रामीण मौके पर पहुंचे।

ग्रामीणों ने तुरंत बिजली विभाग को सूचना देकर पास के ट्रांसफॉर्मर से बिजली सप्लाई बंद करवाई और पुलिस को घटना की जानकारी दी। इसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए नगरफोर्ट अस्पताल भिजवाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिए गए, जिसके बाद दोनों का अंतिम संस्कार एक ही चिता पर किया गया।

पिकअप और बाइक की टक्कर में युवक की मौत

डूंगरपुर, (निसं)। धंबोला थाना क्षेत्र में एक सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई। भादर डूंगरा फला में एक पिकअप और बाइक के बीच टक्कर हुई, जिसमें युवक ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

मृतक की पहचान भीलवा पंचेला निवासी दशरथ पुत्र भगवान लाल रोत के रूप में हुई है। दशरथ अपनी बाइक से ससुराल बांसिया जा रहे थे। डुंगरा फला के पास सामने से आ रही एक पिकअप से उनकी बाइक की टक्कर हो गई। इस हादसे में दशरथ के सिर में गंभीर चोटें आईं, जिससे उनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

घटना की सूचना मिलते ही समाजसेवी विनोद कटारा मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचित किया। सूचना पर एएसआई महिपाल सिंह अपने जाब्ते के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने शव को सीमलवाड़ा अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। दुर्घटनाग्रस्त पिकअप वाहन को धंबोला थाना परिसर में खड़ा करवाया गया है। हादसे की खबर मिलने पर मृतक के परिजन और ससुराल पक्ष के लोग मौके पर पहुंचे। दशरथ अपने पीछे एक बेटा और एक बेटी छोड़ गए हैं। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। इस संबंध में मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी गई है।

बारातियों ने पत्थर से हमला कर युवक की हत्या की

उदयपुर, (कासं)। बारातियों ने पत्थर से हमला कर युवक की हत्या कर दी। इस मामले में पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की। प्रकरण के अनुसार 15 मई को डूगरपुर जिले के देवल गांव से मसारों की ओवरी ऋषभदेव गांव में बारात आई थी। रात में रोड़ के बीच कार खड़ी होने पर बाइक चालक मसारों की ओवरी निवासी दिनेश (19) पुत्र राजकुमार ने एतजरात किया था। इस पर कार में सवार बदमाशों ने पत्थर से हमला कर उसे घायल कर दिया। इसका पता चलने पर परिजन उसे चिकित्सालय ले गए। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस पर रविवार को ऋषभदेव थानाधिकारी हेमंत अहारी ने मृतक का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंपा। इस मामले में पुलिस ने राजकुमार पुत्र चतरा डामोर निवासी मसारो की ओवरी की रिपोर्ट पर आरोपी प्रितम निवासी खाण्डी ओवरी खेरवाड़ा व साथियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर तलाश शुरू की।

कोटा न्यू मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल में एक और प्रसूता की मौत

- शिवपुरा की रहने वाली शिरिन की भी नए अस्पताल में ही इलाज के दौरान किडनी फेल हो गई थी

कोटा, (निसं)। कोटा में किडनी फेल होने के मामले में रविवार को एक और महिला की मौत हो गई। महिला शिरिन (29) मेडिकल कॉलेज के नेफ्रोलॉजी आईसीयू में भर्ती थी। महिला को एक दिन पहले निजी अस्पताल से मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया था। शिवपुरा की रहने वाली शिरिन की भी नए अस्पताल में ही इलाज के दौरान किडनी फेल हो गई थी। 7 मई की शाम को उसे अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया था। घरवाले शिरिन को तलवंडी के एक निजी हॉस्पिटल ले गए थे। 8 मई को शिरिन का डायलिसिस हुआ, लेकिन उसकी बॉडी में इंफेक्शन हो गया था। 16 मई को फिर से मेडिकल कॉलेज में रेफर किया गया था।

जानकारी के अनुसार सीजेरियन के बाद किडनी फेल होने के मामले में जेके लोन अस्पताल और मेडिकल कॉलेज के नए अस्पताल में अब तक 5 महिलाओं की मौत हो चुकी है। सीजेरियन डिलीवरी के बाद 12 से ज्यादा महिलाओं की किडनी फेल हुई थी। मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. नीलेश जैन का कहना है कि शिरीन की मौत हुई है। यह पहले मेडिकल कॉलेज के नए अस्पताल में भर्ती थीं। उसे सेप्टीसीमिया हो गया था फिर परिजन निजी अस्पताल ले गए जहां से 16 मई को दोबारा सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में शिफ्ट किया गया था। शिरीन के मल्टी ऑर्गन्स डिस्फंक्शन हो गया था। रविवार को उसने दम तोड़ दिया।

मृतका के परिवार ने बताया कि शिरिन 6 महीने की गर्भवती थी। 5 मई की सुबह 9.30 बजे उसे न्यू मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल लाया गया था। डॉक्टर ने बताया था कि शिरिन के बच्चेदानी का मुंह खुला हुआ है और टांके लगाने को कहा। दोपहर 12 बजे भर्ती किया गया। टांके लगाने के बाद शिरिन को वार्ड में शिफ्ट कर दिया गया। 7 मई की सुबह करीब 4 बजे शिरिन की तबीयत बिगड़ने लगी। उसे हल्का ब्लड निकलने लगा, जिसे स्टॉफ ने नॉर्मल बताया। सुबह 7 बजे खून ज्यादा बह रहा था, और शिरिन का बीपी-प्लेटलेट्स डाउन हो गया। दोपहर शिरिन को आईसीयू में शिफ्ट किया गया। वहां स्टॉफ ने जांच की लेकिन इन्फेक्शन नहीं बताया। शिरिन का यूरिन आना बंद हो गया। शाम होते-होते स्टॉफ ने उसे दूसरी जगह ले जाने को कहा जिसके बाद उसे निजी अस्पताल ले जाया गया। कोटा में सीजेरियन के बाद किडनी फेल होने से अब तक पांच महिलाओं की जान जा चुकी है। 5 मई को पायल की मौत से हुई थी। इसके बाद ज्योति ने भी इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। इसी बीच, प्रिया की हालत जेके लोन अस्पताल में बिगड़ी और उसकी मौत हो गई। किडनी फेल होने के कारण पिंकी महावर और शिरिन की जान चली गई।

बालोतरा में तेज रफ्तार स्कॉर्पियो पलटी, एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत

जसोल थाना क्षेत्र में आसोतरा के पास भारतमाला एक्सप्रेस-वे पर हुआ हादसा

पुलिस टीम ने मौके पर जाकर घटना की जानकारी ली।

भारतमाला एक्सप्रेस-वे पर हुये हादसे में कार पलटी खा गई।

- हादसे में तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए, अस्पताल में भर्ती करवाया
- गुजरात के मेहसाणा जिले के थावर निवासी परिवारजन कार से रामदेवरा जा रहे थे

बालोतरा, (निसं)। जिले के जसोल थाना क्षेत्र में आसोतरा के पास भारतमाला एक्सप्रेस-वे पर रविवार दोपहर दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार स्कॉर्पियो अनियंत्रित होकर पलट गई, जिससे एक ही परिवार के तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

जानकारी के अनुसार गुजरात के मेहसाणा जिले के थावर निवासी परिवार बाबा रामदेवजी के दर्शन के लिए रामदेवरा जा रहा था। इसी दौरान आसोतरा के पास तेज रफ्तार स्कॉर्पियो का संतुलन बिगड़ गया और वाहन कई पलटे खाते हुए सड़क किनारे जा गिरा। हादसा इतना भीषण था कि स्कॉर्पियो के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार लोग सड़क किनारे जा गिरे। हादसे में अजमल (35) पुत्र गणेशा, नामूलम तथा हितेश भाई (32) पुत्र देवकरण भाई पटेल की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं अशोक भाई, कमलेश भाई और अजमल का बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को स्थानीय लोगों और राहगीरों की मदद से बालोतरा जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार जारी है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार स्कॉर्पियो तेज रफ्तार में थी और अचानक चालक का वाहन से नियंत्रण बिगड़ गया, जिसके बाद गाड़ी पलट गई। हादसे की सूचना मिलते ही जसोल थाना पुलिस मौके पर पहुंची और राहत कार्य शुरू किया। मौके पर एसपी रमेश कुमार, सिवाना डीएसपी देरावरसिंह, डीटीओ भगवानाराम गहलोत, जसोल थानाधिकारी शारदा विश्नोई, थानाधिकारी चन्द्रसिंह, एएसआई जसराम, बालोतरा एएसआई वीरसिंह तथा डॉक्टर कमलेश चौधरी सहित प्रशासनिक व पुलिस अधिकारी पहुंचे। वहीं जनप्रतिनिधियों में राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के युवा नेता थानसिंह डोली भी मौके पर पहुंचे और राहत कार्य में सहयोग करते हुए घायलों की कुशलक्षेम पूछी। पुलिस ने मृतकों के शव कब्जे में लेकर मोर्चरी में रखवाए हैं तथा परिजनों को सूचना दे दी गई है। प्रारंभिक जांच में हादसे का कारण तेज रफ्तार और वाहन का अनियंत्रित होना माना जा रहा है।

टपूकड़ा में सिक्सलेन हाईवे खुदाई से गैस पाइपलाइन लीक

नाला खुदाई करते समय हुई घटना, इमरजेंसी टीम घटनास्थल पहुंची, स्थिति नियंत्रित

सूचना मिलते ही एसकेएन गैस कंपनी की इमरजेंसी टीम घटनास्थल पर पहुंची।

- सूचना मिलते ही एसकेएन गैस कंपनी की इमरजेंसी टीम घटनास्थल पर पहुंची और गैस की आपूर्ति बंद कर दी

अलवर, (निसं)। टपूकड़ा में निर्माणाधीन सिक्सलेन हाईवे की खुदाई के दौरान रविवार दोपहर करीब 12:30 बजे गैस पाइपलाइन में रिसाव हो गया। जेसीबी मशीन से नाला खुदाई करते समय यह घटना हुई, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। पाइपलाइन से गैस का तेज रिसाव शुरू होते ही आसपास काम कर रहे मजदूर और स्थानीय लोग घबराकर सुरक्षित दूरी पर चले गए। सूचना मिलते ही एसकेएन गैस कंपनी की इमरजेंसी टीम तुरंत घटनास्थल पर पहुंची और त्वरित कार्रवाई करते हुए गैस की आपूर्ति बंद कर दी।

हरियाणा गैस सिटी के इंजीनियर जयवीर ने बताया कि पीएनजी की पाइपलाइन क्षतिग्रस्त होने से यह रिसाव हुआ था। इसमें किसी भी प्रकार की आगजनी या जनहानि नहीं हुई है। फिलहाल, गैस कंपनी की टीम क्षतिग्रस्त पाइपलाइन की मरम्मत का काम कर रही है। एहतियात के तौर पर आसपास के इलाके में लोगों की आवाजाही को सीमित कर दिया गया है। स्थानीय प्रशासन, पुलिस और संबंधित विभाग मौके पर स्थिति पर निगरानी रख रहे हैं। गैस कंपनी के अधिकारियों ने आश्वासन दिया है कि मरम्मत कार्य शीघ्र पूरा कर लिया जाएगा और सामान्य गतिविधियां जल्द बहाल हो जाएगी।